केवीके एवं आईआईपीआर के संयुक्त तत्वाधान में उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर किसान गोष्ठी व जागरूकता अभियान का हुआ आयोजन

संवाददाता/ डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर एवं भारतीय दलन अनुसंधान संस्थान के संयुक्ततत्वाधान में में उर्वरकों के संतुलित उपयोग विषय पर किसान गोष्ठी व जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने उर्वरक उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए प्रभावी खरपतवार प्रबंधन के महत्व पर विशेष जोर दिया। वैज्ञानिक डॉ सी पी नाथ ने खरपतवारों के कारण होने वाले पोषक तत्वों के नुकसान पर भी चर्चा की। इसके अलावा दलहनी फसलों के साथ फसल विविधीकरण, हरी खाद का उपयोग, आवश्यकता आधारित उर्वरक प्रयोग, यूरिया का उचित उपयोग, सीधी बुवाई वाला धान तथा अवशेष प्रबंधन जैसे विषयों पर भी प्रकाश डाला गया।इसके अतिरिक्त, डॉ नीतू कुशवाहा एवं डॉ रंजीता ने फसल उत्पादकता तथा पोषक तत्व उपयोग दक्षता बढ़ाने में रोग प्रबंधन की भूमिका पर भी चर्चा की गई। डॉ अरुण कुमार सिंह एवं डॉ राजेश राय ने किसानों को जैव उर्वरकों तथा कार्बनिक खाद के उपयोग के बारे में जागरूक किया गया।किसानों को खरपतवार नाशकों के सही चयन, उचित मात्रा, समय एवं प्रयोग विधि तथा फसल को नुकसान तथा पर्यावरणीय जोखिम से बचाव के उपायों पर प्रशिक्षण दिया गया।

ग्राम के प्रधान चंद्र पाल ने किसानों से संवाद किया और उन्हें विभिन्न कृषि कार्यक्रमों के प्रति जागरूक करने के लिए वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम किसानों तक प्रभावी रूप से पहुंचा है और उनकी सक्रिय एवं उत्साही भागीदारी भी सराहनीय है। कार्यक्रम का समापन प्रगतिशील कृषक अनुराग सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।इस कार्यक्रम में कुल 37 किसानों ने भाग लिया

वर्ष-19 अंक-182 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, बुधवार 06 मई 2026

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

दैनिक नगर छाया

RNI No.- UPHIN/2007/27090

आप की आवाज़.....

सीएसए में किसानों को वैज्ञानिक खेती के टिप्स, ढैंचा से बढ़ेगी मिट्टी की उर्वरता

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय स्थित लाल बहादुर सभागार में चंद्रशेखर कृषक समिति की मासिक बैठक आयोजित की गई, जिसमें किसानों को आधुनिक और वैज्ञानिक खेती के महत्वपूर्ण टिप्स दिए गए। बैठक में निदेशक प्रसार डॉ. वी.के. त्रिपाठी ने हरी खाद के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि ढैंचा का 30 से 40 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बोया जाए और समय-समय पर सिंचाई की जाए। उन्होंने बताया कि ढैंचा की फसल को 35 से 40 दिन बाद मिट्टी में मिला देने से प्रति हेक्टेयर 84 से 129 किलोग्राम नाइट्रोजन प्राप्त होती है। साथ ही 20 से 25 टन हरा जैविक पदार्थ भी मिट्टी में मिलता है, जिससे फसल की गुणवत्ता बेहतर होती है, लागत घटती है और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है। वैज्ञानिक डॉ. यू.एन. शुक्ला ने धान की नर्सरी प्रबंधन पर किसानों को जानकारी दी और उनके सवालों के जवाब भी दिए। वहीं पशुपालन विभागाध्यक्ष डॉ. रामजी गुप्ता ने गर्मी के मौसम में पशुओं की देखभाल के बारे में उपयोगी सुझाव साझा किए। कार्यक्रम के अंत में डॉ. वी.के. कनौजिया ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ. विनोद प्रकाश, डॉ. भूपेंद्र कुमार सिंह, डॉ. विकास रंजन चौधरी के साथ प्रगतिशील कृषक समर सिंह भदौरिया, जगदीश सिंह, हरेंद्र त्रिपाठी सहित अन्य किसान उपस्थित रहे।

किसानों को सम्बोधित करते वैज्ञानिक।

किसानों को खेती करने के दिए गए वैज्ञानिक टिप्स

कानपुर, 5 मई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर सभागार कक्ष में चंद्रशेखर कृषक समिति की मासिक बैठक में किसानों को खेती के वैज्ञानिक टिप्स दिए गए। बैठक में निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने किसानों को हरी खाद के महत्व पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसान 30-40 किलोग्राम ढैंचा का बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई करें। साथ ही समय-समय पर सिंचाई करते रहें। उन्होंने किसानों से कहा- ढैंचा की फसल को 35 से 40 दिन पर मिट्टी में मिला दें। इससे मृदा में 84 से 129 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है। हरे पदार्थ की मात्रा 20 से 25 टन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होता है, जिससे किसानों की फसल लागत में कमी आती है तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है। और फसल की गुणवत्ता अच्छी होती है। वैज्ञानिक डॉक्टर यू एन शुक्ला ने कृषकों को धान की नर्सरी का प्रबंधन विषय पर जानकारी दी। किसानों की ओर से पूछे गए प्रश्नों के जवाब भी दिए गए। पशुपालन विभागाध्यक्ष डॉ रामजी गुप्ता ने किसानों को गर्मियों में पशुओं की देखभाल विषय पर जानकारी दी। अंत में अतिथियों का धन्यवाद डॉ. वी. के. कनौजिया ने दिया। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ. विनोद प्रकाश, डॉ. भूपेंद्र कुमार सिंह, डॉ. विकास रंजन चौधरी, किसान कृषक समर सिंह भदोरिया, जगदीश सिंह, हरेंद्र त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

उर्वरक उपयोग दक्षता बढ़ाने में खरपतवार प्रभावी

कार्यक्रम में शामिल किसान व शिक्षक।

उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर हुई किसान गोष्ठी व जागरूकता अभियान

कानपुर, 5 मई।चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर एवं भारतीय दलन अनुसंधान संस्थान के संयुक्तत्वाधान में में उर्वरकों के संतुलित उपयोग विषय पर किसान गोष्ठी और जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने उर्वरक उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए प्रभावी खरपतवार प्रबंधन के महत्व पर विशेष जोर दिया। वैज्ञानिक डॉ सी. पी. नाथ ने खरपतवारों के कारण होने वाले पोषक तत्वों के नुकसान पर भी चर्चा की। इसके अलावा दलहनी फसलों के साथ फसल विविधीकरण, हरी खाद का उपयोग, आवश्यकता आधारित उर्वरक प्रयोग, यूरिया का उचित उपयोग, सीधी बुवाई वाला धान तथा अवशेष प्रबंधन जैसे विषयों पर भी प्रकाश डाला गया। डॉ नीतू कुशवाहा एवं डॉ रंजीता ने फसल उत्पादकता तथा पोषक तत्व उपयोग दक्षता बढ़ाने में रोग प्रबंधन की भूमिका पर भी चर्चा की गई। डॉ अरुण कुमार सिंह एवं डॉ राजेश राय ने किसानों को जैव उर्वरकों तथा कार्बनिक खाद के उपयोग के बारे में जागरूक किया गया।किसानों को खरपतवार नाशकों के सही चयन, उचित मात्रा, समय एवं प्रयोग विधि तथा फसल को नुकसान तथा पर्यावरणीय जोखिम से बचाव के उपायों पर प्रशिक्षण दिया गया। ग्राम के प्रधान चंद्र पाल ने किसानों से संवाद किया और उन्हें विभिन्न कृषि कार्यक्रमों के प्रति जागरूक करने के लिए वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना की। इस दौरान कृषक अनुराग सिंह समेत 37 किसान शामिल हुए।

वर्ष-19 अंक-182 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, बुधवार 06 मई 2026

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

RNI No.- UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर किसान गोष्ठी, वैज्ञानिकों ने दी महत्वपूर्ण जानकारी

कानपुर (नगर छाया समाचार)। कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर एवं भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में उर्वरकों के संतुलित उपयोग विषय पर किसान गोष्ठी एवं जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अंतर्गत आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने उर्वरक उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए प्रभावी खरपतवार प्रबंधन के महत्व पर जोर दिया। वहीं डॉ. सी.पी. नाथ ने खरपतवारों के कारण होने वाले पोषक तत्वों के नुकसान पर विस्तार से चर्चा की। वैज्ञानिकों ने दलहनी फसलों के साथ फसल विविधीकरण, हरी खाद का उपयोग, आवश्यकता आधारित उर्वरक प्रयोग, यूरिया के संतुलित उपयोग, सीधी बुवाई वाले धान तथा अवशेष प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी किसानों को जानकारी दी। इसके अतिरिक्त डॉ. नीतू कुशवाहा एवं डॉ. रंजीता ने फसल उत्पादकता और पोषक तत्व उपयोग दक्षता बढ़ाने में रोग प्रबंधन की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. अरुण कुमार सिंह और डॉ. राजेश राय ने जैव उर्वरकों तथा कार्बनिक खाद के उपयोग के प्रति किसानों को जागरूक किया। कार्यक्रम में किसानों को खरपतवार नाशकों के सही चयन, उचित मात्रा, प्रयोग का समय और विधि के साथ-साथ फसल को नुकसान एवं पर्यावरणीय जोखिम से बचाव के उपायों पर प्रशिक्षण दिया गया। ग्राम प्रधान चंद्र पाल ने किसानों से संवाद करते हुए वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना की और कहा कि इस तरह के कार्यक्रम किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। उन्होंने किसानों की सक्रिय भागीदारी की भी प्रशंसा की। कार्यक्रम का समापन प्रगतिशील कृषक अनुराग सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर कुल 37 किसानों ने भाग लिया।

हिंदुस्तान 06/05/2026

सीएसए के 11 छात्रों का दुग्ध कंपनी में चयन

कानपुर। चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सेवायोजन निदेशक डॉ. विजय कुमार यादव ने बताया कि कैम्पस प्लेसमेंट में सहज मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी ने 11 छात्रों का आकर्षक पैकेज पर चयन किया है। भास्कर तिवारी व राजीव रंजन ने छात्रों का इंटरव्यू लिया। इसमें सुमित कुमार, हिमांशु यादव, राजदीप बलवंत, वैभव दुबे, नीतेश कुशवाहा, दीपक चौहान, सौरभ सिंह, ज्ञानेंद्र कुमार मिश्रा एवं आदर्श कौशल का एरिया ऑफिसर पद पर चयन हुआ।

दैनिक
आज का कानपुर
कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, महोबा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

सीएसए के 11 छात्रो का सहज दुग्ध प्रोड्यूसर कम्पनी में चयन

आज का कानपुर

लखनऊ । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में सेवायोजन के निदेशक डा.विजय कुमार यादव द्वारा अवगत कराया कि विश्वविद्यालय के छात्रों का कैम्पस प्लेसमेन्ट लेने हेतु सहज मिल्क प्रोड्यूसर लिमिटेड के भास्कर तिवारी एवं राजीव रंजन ने एम0बी0ए0 एग्री बिजनेस के प्रतिभागित लगभग 30 छात्रो का ग्रुप डिस्कसन करने के उपरान्त कम्पनी के हेडक्वाटर में पर्सनल इन्टरव्यू लिया गया।

साक्षात्कार प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरान्त 11 छात्रो (02 छात्रों को वेटिंग) जिसमें मिस्टर सुमित कुमार, हिमाशुं यादव, राजदीप बलवन्त, वैभव दुबे, नीतेश कुशवाहा, दीपक चौहान, सौरभ सिंह, ज्ञानेन्द्र कुमार मिश्रा एवं आदर्श कौशल का एरिया आफीसर पद पर चयन किया गया। है। उन्होंने कह कि सहज दुग्ध कंपनी एक उभरती हुई किसान केन्द्रित डेरी कम्पनी है। जो ग्रामीण विकास रोजगार स्रजन में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इन सभी छात्रों को अच्छे पैकेज के साथ-साथ अन्य सुविधाएँ भी दी जायेगी। बेटी गया मई, 2026 के अन्तिम पखवाड़े में अडानी विल्मार, आइसीआइसीआई बैंक एवं रिलायंस कम्पनी के साक्षात्कार होना प्रस्तावित है। तथा देश की विख्यात अन्य कम्पनियों से कैम्पस ड्राइव तिथियो के निर्धारण हेतु कम्पनी के प्रतिनिधियों से वार्ता चल रही है। विश्वविद्यालय के कुलपति डा.संजीव गुप्ता ने इस प्रतिष्ठित कम्पनी में चयनित हुये छात्रो को उनके उज्वल भविष्य की कामना व्यक्त की है। इस सम्पूर्ण प्रक्रिया को सफल बनाने में श्री मुलायम सिंह, श्रीमती सरिता पाण्डेय का भी विशेष सहयोग सराहनीय रहा।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 17 अंक : 300 कानपुर, बुधवार 06 मई 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

11 छात्रों का सहज दुग्ध प्रोड्यूसर कम्पनी में चयन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में सेवायोजन के निदेशक डा.विजय कुमार यादव द्वारा अवगत कराया कि विश्वविद्यालय के छात्रों का कैम्पस प्लेसमेन्ट लेने हेतु सहज मिल्क प्रोड्यूसर लिमिटेड के भास्कर तिवारी एवं राजीव रंजन ने एम0बी0ए0 एग्री बिजनेस के प्रतिभागित लगभग 30 छात्रो का ग्रुप डिस्कसन करने के उपरान्त कम्पनी के हेडक्वाटर में पर्सनल इन्टरव्यू लिया गया। साक्षात्कार प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरान्त 11 छात्रो (02 छात्रों को वेटिंग) जिसमें मिस्टर सुमित कुमार, हिमाशुं यादव, राजदीप बलवन्त, वैभव दुबे, नीतेश कुशवाहा, दीपक चौहान, सौरभ सिंह, ज्ञानेन्द्र कुमार मिश्रा एवं आदर्श कौशल का एरिया आफीसर पद पर चयन किया गया। है। उन्होंने कह कि सहज दुग्ध कंपनी एक उभरती हुई किसान केन्द्रित डेरी कम्पनी है। जो ग्रामीण विकास रोजगार स्रजन में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इन सभी छात्रों को अच्छे पैकेज के साथ-साथ अन्य सुविधाएँ भी दी जायेगी।

सेवायोजन के निदेशक डा0 विजय कुमार यादव द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि मई, 2026 के अन्तिम पखवाड़े में अडानी विलमार, आइसीआइसीआई बैंक एवं रिलायंस कम्पनी के साक्षात्कार होना प्रस्तावित है। तथा देश की विख्यात अन्य कम्पनियों से कैम्पस ड्राइव तिथियो के निर्धारण हेतु कम्पनी के प्रतिनिधियों से वार्ता चल रही है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित करना है कि मेरे पिता राजाराम पुत्र स्व0 सरदार निवासी ग्राम चकमियापुर पोस्ट हसवा जनपद फतेहपुर की बीमारी के चलते 06/05/2014 को घर पर ही मृत्यु हो गई थी। मेरे पिता जी का मृत्यु प्रमाण पत्र बनना अति आवश्यक है। **बुद्धीलाल पुत्र राजाराम निवासी ग्राम चकमियापुर पोस्ट हसवा, जनपद-फतेहपुर।**

दैनिक हिन्दी /अंग्रेजी

टाइम्स एण्ड स्पेस

TIME AND SPACE

सूचना प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पंजीकृत संख्या:UPBIL/26/A1515

कानपुर नगर से प्रकाशित - प्रतापगढ़, बांदा, बस्ती, गोरखपुर, संत कबीर नगर, हरदोई, राजस्थान आदि से प्रसारित।

कानपुर से प्रकाशित | कानपुर 06 मई बुधवार 2026 | मूल्य -02/- | वर्ष 03 | अंक 63 | पृष्ठ 8

किसान गोष्ठीध्जागरूकता अभियान का हुआ आयोजन

कानपुर नगर, केवीके एवं आईआईपीआर के संयुक्त तत्वाध

ाान में उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर किसान गोष्ठीध जागरूकता अभियान का हुआ आयोजन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर एवं भारतीय दलन अनुसंधान संस्थान के संयुक्ततत्वाधान में में उर्वरकों के संतुलित उपयोग विषय पर किसान गोष्ठीध जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने उर्वरक उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए प्रभावी खरपतवार प्रबंधन के महत्व पर विशेष जोर दिया।

वैज्ञानिक डॉ सी पी नाथ ने खरपतवारों के कारण होने वाले पोषक तत्वों के नुकसान पर भी चर्चा की। इसके अलावा दलहनी फसलों के साथ फसल विविधीकरण, हरी खाद का उपयोग, आवश्यकता आधारित उर्वरक प्रयोग, यूरिया का उचित उपयोग, सीधी बुवाई वाला ध ाान तथा अवशेष प्रबंधन जैसे विषयों पर भी प्रकाश डाला गया।इसके अतिरिक्त, डॉ नीतू कुशवाहा एवं डॉ रंजीता ने फसल उत्पादकता तथा पोषक तत्व उपयोग दक्षता बढ़ाने में रोग प्रबंधन की भूमिका पर भी चर्चा की गई। डॉ अरुण कुमार सिंह एवं डॉ राजेश राय ने किसानों को जैव उर्वरकों तथा कार्बनिक खाद के उपयोग के बारे में जागरूक किया गया। फसल को नुकसान तथा पर्यावरणीय जोखिम से बचाव के उपायों पर प्रशिक्षण दिया गया। ग्राम के प्रधान चंद्र पाल ने किसानों से संवाद किया और उन्हें विभिन्न कृषि कार्यक्रमों के प्रति जागरूक करने के लिए वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में कुल 37 किसानों ने भाग लिया।

हिंदुस्तान 06/05/2026

मिट्टी में मिलाएं ढैंचा बढ़ेगी नाइट्रोजन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर सभागार कक्ष में मंगलवार को चंद्रशेखर कृषक समिति की मासिक बैठक हुई। इसमें किसानों को खेती के वैज्ञानिक टिप्स दिए गए। बैठक में निदेशक प्रसार डॉ. वीके त्रिपाठी ने कहा कि ढैंचा की फसल को 35 से 40 दिन पर मिट्टी में मिला दें। इससे मिट्टी में 84 से 129 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर बढ़ जाएगी। हरे पदार्थ की मात्रा 20 से 25 टन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है, जिससे फसल लागत में कमी आती है।

दैनिक जागरण 06/05/2026

मिट्टी में मिलाएं ढैंचा की फसल, बढ़ जाएगी नाइट्रोजन

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर सभागार कक्ष में चंद्रशेखर कृषक समिति की मासिक बैठक हुई। इसमें किसानों को खेती के वैज्ञानिक टिप्स दिए गए। बैठक में निदेशक प्रसार डा. वीके त्रिपाठी ने किसानों को हरी खाद के महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि किसान 30 से 40 किलोग्राम ढैंचा का बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बोआई करें। साथ ही समय-समय पर सिंचाई करते रहें। ढैंचा की फसल को 35 से 40 दिन पर मिट्टी में मिला दें। इससे 84 से 129 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है। हरे पदार्थ की मात्रा 20 से 25 टन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होता है। जासं

दैनिक हिन्दी /अंग्रेजी

टाइम्स एण्ड स्पेस

TIME AND SPACE

सूचना प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पंजीकृत संख्या UPBIL/26/A1515

कानपुर नगर से प्रकाशित - प्रतापगढ़, बांदा, बस्ती, गोरखपुर, संत कबीर नगर, हरदोई, राजस्थान आदि से प्रसारित।

कानपुर से प्रकाशित | कानपुर 06 मई बुधवार 2026 | मूल्य –02/– | वर्ष 03 | अंक 63 | पृष्ठ 8

सीएसए के 11 छात्रो का सहज दुग्ध प्रोड्यूसर कम्पनी में चयन'

कानपुर नगर, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में सेवायोजन के निदेशक डा.विजय कुमार यादव द्वारा अवगत कराया कि विश्वविद्यालय के छात्रों का कैम्पस प्लेसमेन्ट लेने हेतु सहज मिल्क प्रोड्यूसर लिमिटेड के भास्कर तिवारी एवं राजीव रंजन ने एम०बी०ए० एग्री बिजनेस के प्रतिभागित लगभग 30 छात्रो का ग्रुप डिस्कसन करने के उपरान्त कम्पनी के हेडक्वाटर में पर्सनल इन्टरव्यू लिया गया। साक्षात्कार प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरान्त 11 छात्रो (02 छात्रों को वेटिंग) जिसमें मिस्टर सुमित कुमार, हिमाशुं यादव, राजदीप बलवन्त, वैभव दुबे, नीतेश कुशवाहा, दीपक चौहान, सौरभ सिंह, ज्ञानेन्द्र कुमार मिश्रा एवं आदर्श कौशल का एरिया आफीसर पद पर चयन किया गया। है। उन्होंने कह कि सहज दुग्ध कंपनी एक उभरती हुई किसान केन्द्रित डेरी कम्पनी है। जो ग्रामीण विकास रोजगार स्रजन में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इन सभी छात्रों को अच्छे पैकेज के साथ–साथ अन्य सुविधाएँ भी दी जायेगी। बेटी गया मई, 2026 के अन्तिम पखवाड़े में अडानी विल्मार, आइसीआइसीआई बैंक एवं रिलायंस कम्पनी के साक्षात्कार होना प्रस्तावित है। तथा देश की विख्यात अन्य कम्पनियों से कैम्पस ड्राइव तिथियो के निर्धारण हेतु कम्पनी के प्रतिनिधियों से वार्ता चल रही है। विश्वविद्यालय के कुलपति डा.संजीव गुप्ता ने इस प्रतिष्ठित कम्पनी में चयनित हुये छात्रो को उनके उज्वल भविष्य की कामना व्यक्त की है। इस सम्पूर्ण प्रक्रिया को सफल बनाने में श्री मुलायम सिंह, श्रीमती सरिता पाण्डेय का भी विशे[illegible] सराहनीय रहा।

सहज दुग्ध प्रोड्यूसर कम्पनी में 11 विद्यार्थियों का हुआ चयन

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 5 मई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कैम्पस प्लेसमेन्ट में एमबीए एग्री बिजनेस के प्रतिभागित लगभग 30 छात्रों का ग्रुप डिस्कसन करने के उपरान्त कम्पनी के हेडक्वाटर में पर्सनल इन्टरव्यू हुआ। साक्षात्कार प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरान्त 11 छात्रों (2 छात्रों को वेटिंग) में मिस्टर सुमित कुमार, हिमाशुं यादव, राजदीप बलवन्त, वैभव दुबे, नीतेश कुशवाहा, दीपक चौहान, सौरभ सिंह, ज्ञानेन्द्र कुमार मिश्रा एवं आदर्श कौशल का एरिया आफीसर पद पर चयन किया गया। है। उन्होंने कहाकि सहज दुग्ध कंपनी एक उभरती हुई किसान केन्द्रित डेरी कम्पनी है। जो ग्रामीण विकास रोजगार स्त्रजन में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इन सभी छात्रों को अज्छे पैकेज के साथ-साथ अन्य सुविधाएँ भी दी जायेगी। सेवायोजन के निदेशक डा0 विजय कुमार यादव ने बताया कि मई के अन्तिम पखवाड़े में अडानी विल्मार, आइसीआइसीआई बैंक एवं रिलायंस कम्पनी के साक्षात्कार होना प्रस्तावित है और कई कंपनियों से कैम्पस ड्राइव तिथियों के निर्धारण के लिए कम्पनी के प्रतिनिधियों से बातचीत चल रही है। सहज मिल्क प्रोड्यूसर लिमिटेड के भास्कर तिवारी एवं राजीव रंजन ने इंटरव्यू लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति डा.संजीव गुप्ता ने छात्रों के चयन पर बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनायें दी।

अंक-57 कानपुर, बुधवार 6 मई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य

दैनिक आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

किसान गोष्ठी/जागरूकता अभियान का हुआ आयोजन

आज का कानपुर

लखनऊ । केवीके एवं आईआईपीआर के संयुक्त तत्वाधान में उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर किसान गोष्ठी/जागरूकता अभियान का हुआ आयोजन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर एवं भारतीय दलन अनुसंधान संस्थान के संयुक्ततत्वाधान में में उर्वरकों के संतुलित उपयोग विषय पर किसान गोष्ठी/जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने उर्वरक उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए प्रभावी खरपतवार प्रबंधन के महत्व पर विशेष जोर दिया।

वैज्ञानिक डॉ सी पी नाथ ने खरपतवारों के कारण होने वाले पोषक तत्वों के नुकसान पर भी चर्चा की। इसके अलावा दलहनी फसलों के साथ फसल विविधीकरण, हरी खाद का उपयोग, आवश्यकता आधारित उर्वरक प्रयोग, यूरिया का उचित उपयोग, सीधी बुवाई वाला धान तथा अवशेष प्रबंधन जैसे विषयों पर भी प्रकाश डाला गया।इसके अतिरिक्त, डॉ नीतू कुशवाहा एवं डॉ रंजीता ने फसल उत्पादकता तथा पोषक तत्व उपयोग दक्षता बढ़ाने में रोग प्रबंधन की भूमिका पर भी चर्चा की गई। डॉ अरुण कुमार सिंह एवं डॉ राजेश राय ने किसानों को जैव उर्वरकों तथा कार्बनिक खाद के उपयोग के बारे में जागरूक किया गया। फसल को नुकसान तथा पर्यावरणीय जोखिम से बचाव के उपायों पर प्रशिक्षण दिया गया। ग्राम के प्रधान चंद्र पाल ने किसानों से संवाद किया और उन्हें विभिन्न कृषि कार्यक्रमों के प्रति जागरूक करने के लिए वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में कुल 37 किसानों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

स्वतंत्र चेतना

उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित

क 147
2026
संस्करण
PHO/2022-24

achetnanews.com गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, नई दिल्ली, हरिद्वार, वाराणसी ,आजमगढ़ व अयोध्या से प्रकाशित

उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर हुई किसान गोष्ठी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर एवं भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में उर्वरकों के संतुलित उपयोग विषय पर किसान गोष्ठी एवं जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने उर्वरक उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए प्रभावी खरपतवार प्रबंधन पर जोर दिया। वहीं डॉ. सी.पी. नाथ ने खरपतवारों के कारण पोषक तत्वों की हानि और उससे फसल उत्पादन पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी दी। वैज्ञानिकों ने किसानों को फसल विविधीकरण, दलहनी फसलों को बढ़ावा, हरी खाद के उपयोग, आवश्यकता आधारित उर्वरक प्रयोग, यूरिया के संतुलित उपयोग, सीधी बुवाई वाले धान तथा अवशेष प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जागरूक किया। डॉ. नीतू कुशवाहा और डॉ. रंजीता ने फसल उत्पादकता बढ़ाने में रोग प्रबंधन की भूमिका पर चर्चा की, जबकि डॉ. अरुण कुमार सिंह एवं डॉ. राजेश राय ने जैव उर्वरकों और कार्बनिक खाद के उपयोग के लाभ बताए। किसानों को खरपतवार नाशकों के सही चयन, उचित मात्रा, समय और प्रयोग विधि के साथ-साथ पर्यावरणीय जोखिम से बचाव के उपायों पर भी प्रशिक्षण दिया गया। ग्राम प्रधान चंद्र पाल ने वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना करते हुए किसानों से संवाद किया और उन्हें कृषि योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन प्रगतिशील किसान अनुराग सिंह के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर कुल 37 किसानों ने भाग लेकर सक्रिय सहभागिता दिखाई।

चत विषय में साथ मास्टर रक्षित वर्ग को वार्षि...

लगभग 65,000 रुपये निर्धारित की गई है। इसमें 25,000 रुपये ट्यूशन फीस और अन्य शुल्क जैसे ...

अमर उजाला 06/05/2026

सीएसए में किसानों को दिए वैज्ञानिक खेती के टिप्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में मंगलवार को चंद्रशेखर कृषक समिति की मासिक बैठक हुई। इसमें किसानों को खेती के वैज्ञानिक तरीकों की जानकारी दी गई। निदेशक प्रसार डॉ. वीके त्रिपाठी ने किसानों को हरी खाद का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि किसान प्रति हेक्टेयर 30 से 40 किलोग्राम ढैंचा बीज की बुवाई करें और समय-समय पर सिंचाई करते रहें।

35 से 40 दिन बाद फसल को मिट्टी में मिला दें। इससे 84 से 129 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर बढ़ जाएगी। बैठक में डॉ. वीके कनौजिया, डॉ. विनोद प्रकाश, डॉ. भूपेंद्र कुमार सिंह, डॉ. विकास रंजन चौधरी, किसान समर सिंह भदौरिया, जगदीश सिंह, हरेंद्र त्रिपाठी मौजूद रहे। (ब्यूरो)

सीएसए के 11 छात्रो का सहज दुग्ध प्रोड्यूसर कम्पनी में चयन

कानपुर (संवाददाता दीवालय प्रवाह)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में सेवायोजन के निदेशक डा.विजय कुमार यादव द्वारा अवगत कराया कि विश्वविद्यालय के छात्रों का कैम्पस प्लेसमेन्ट लेने हेतु सहज मिल्क प्रोड्यूसर लिमिटेड के भास्कर तिवारी एवं राजीव रंजन ने एम०बी०ए० एग्री बिजनेस के प्रतिभागित लगभग 30 छात्रो का ग्रुप डिस्कशन करने के उपरान्त कम्पनी के हेडक्वाटर में पर्सनल इन्टरव्यू लिया गया। साक्षात्कार प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरान्त 11 छात्रो (02 छात्रों को वेटिंग) जिसमें मिस्टर सुमित कुमार, हिमांशु यादव, राजदीप बलवन्त, वैभव दुबे, नीतेश कुशवाहा, दीपक चौहान, सौरभ सिंह, ज्ञानेन्द्र कुमार मिश्रा एवं आदर्श कौशल का एरिया आफीसर पद पर चयन किया गया। है। उन्होंने कहा कि सहज दुग्ध कंपनी एक उभरती हुई किसान केंन्द्रित डेरी कम्पनी है। जो ग्रामीण विकास रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इन सभी छात्रों को अच्छे पैकेज के साथ–साथ अन्य सुविधाएँ भी दी जायेगी। सेवायोजन के निदेशक डा० विजय कुमार यादव द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि मई, 2026 के अन्तिम पखवाड़े में अडानी विल्मार, आइसीआइसीआई बैंक एवं रिलायंस कम्पनी के साक्षात्कार होना प्रस्तावित है। तथा देश की विख्यात अन्य कम्पनियों से कैम्पस ड्राइव तिथियों के निर्धारण हेतु कम्पनी के प्रतिनिधियों से वार्ता चल रही है। विश्वविद्यालय के कुलपति डा.संजीव गुप्ता ने इस प्रतिष्ठित कम्पनी में चयनित हुये छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य की कामना व्यक्त की है। इस सम्पूर्ण प्रक्रिया को सफल बनाने में श्री मुलायम सिंह, श्रीमती सरिता पाण्डेय का भी विशेष सहयोग सराहनीय रहा।

दैनिक हिन्दी /अंग्रेजी
टाइम्स एण्ड स्पेस
TIME AND SPACE
कानपुर नगर से प्रकाशित - प्रतापगढ़, बांदा, बस्ती, गोरखपुर, संत कबीर नगर, हरदोई, राजस्थान आदि से प्रसारित।
कानपुर से प्रकाशित | कानपुर 06 मई बुधवार 2026 | मूल्य -02/- | वर्ष 03 | अंक 63 | पृष्ठ 8

टाइम्स एण्ड स्पेस
दैनिक हिन्दी/अंग्रेजी

कृषक समिति की मासिक बैठक का आयोजन

कानपुर नगर, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय द्वारा चंद्रशेखर कृषक समिति की मासिक बैठक में किसानों को खेती के वैज्ञानिक टिप्स दिए गए।बैठक में निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने किसानों को हरी खाद के महत्व पर जानकारी दी। उन्होंने कहा– किसान 30 से 40 किलोग्राम ढैंचा का बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई करें। साथ ही समय–समय पर सिंचाई करते रहें। उन्होंने किसानों से कहा– ढैंचा की फसल को 35 से 40 दिन पर मिट्टी में मिला दें। इससे मृदा में 84 से 129 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है। हरे पदार्थ की मात्रा 20 से 25 टन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होता है। वैज्ञानिक डॉक्टर यू एन शुक्ला ने कृषकों को धान की नर्सरी का प्रबंधन विषय पर जानकारी दी। डॉ रामजी गुप्ता विभागाध्यक्ष पशुपालन ने किसानों को गर्मियों में पशुओं की देखभाल विषय पर जानकारी दी।कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का धन्यवाद डॉ. वी के कनौजिया ने दिया। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉक्टर विनोद प्रकाश,डॉक्टर भूपेंद्र कुमार सिंह, डॉक्टर विकास रंजन चौधरी सहित प्रगतिशील कृषक समर सिंह भदोरिया, जगदीश सिंह, हरेंद्र त्रिपाठी सहित अन्य किसानों भी शामिल हुए। खाद के महत्व पर जानकारी दी। उन्होंने कहा– किसान 30 से 40 किलोग्राम ढैंचा का बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई करें। साथ ही समय–समय पर सिंचाई करते रहें। उन्होंने किसानों से कहा– ढैंचा की फसल को 35 से 40 दिन पर मिट्टी में मिला दें। इससे मृदा में 84 से 129 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है। हरे पदार्थ की मात्रा 20 से 25 टन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होता है, जिससे किसानों की फसल लागत में कमी आती है। किसानों की ओर से पूछे गए प्रश्नों के जवाब भी दिए गए। डॉ रामजी गुप्ता विभागाध्यक्ष पशुपालन ने किसानों को गर्मियों में पशुओं की देखभाल विषय पर जानकारी दी।कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का धन्यवाद डॉ. वी के कनौजिया ने दिया। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉक्टर विनोद प्रकाश,डॉक्टर भूपेंद्र कुमार सिंह, डॉक्टर विकास रंजन चौधरी सहित प्रगतिशील कृषक समर सिंह भदोरिया, जगदीश सिंह, हरेंद्र त्रिपाठी सहित अन्य किसानों भी शामिल हुए।

निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने किसानों को दिए वैज्ञानिक टिप्स। सीएसए

निष्पक्ष पोस्ट कानपुर डॉक्टर कृष्ण मोहन त्रिपाठी

ढैंचा की फसल को 40 दिन पर मिट्टी में मिला दें तो अच्छी नाइट्रोजन मिलेगी*चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर सभागार कक्ष में चंद्रशेखर कृषक समिति की मासिक बैठक में किसानों को खेती के वैज्ञानिक टिप्स दिए गए।बैठक में निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने किसानों को हरी खाद के महत्व पर जानकारी दी। उन्होंने कहा- किसान 30 से 40 किलोग्राम ढैंचा का बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई करें। साथ ही समय-समय पर सिंचाई करते रहें। उन्होंने किसानों से कहा- ढैंचा की फसल को 35 से 40 दिन पर मिट्टी में मिला दें। इससे मृदा में 84 से 129 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है। हरे पदार्थ की मात्रा 20 से 25 टन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होता है, जिससे किसानों की फसल लागत में कमी आती है तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है। और फसल की गुणवत्ता अच्छी होती है। वैज्ञानिक डॉक्टर यू एन शुक्ला ने कृषकों को धान की नर्सरी का प्रबंधन विषय पर जानकारी दी। किसानों की ओर से पूछे गए प्रश्नों के जवाब भी दिए गए। डॉ रामजी गुप्ता विभागाध्यक्ष पशुपालन ने किसानों को गर्मियों में पशुओं की देखभाल विषय पर जानकारी दी।कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का धन्यवाद डॉ. वी के कनौजिया ने दिया। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉक्टर विनोद प्रकाश,डॉक्टर भूपेंद्र कुमार सिंह, डॉक्टर विकास रंजन चौधरी सहित प्रगतिशील कृषक समर सिंह भदोरिया, जगदीश सिंह, हरेंद्र त्रिपाठी सहित अन्य किसानों भी शामिल हुए।

अंक-57 कानपुर, बुधवार 6 मई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य 2

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मीदहा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

कृषक समिति की मासिक बैठक का आयोजन

आज का कानपुर

लखनऊ । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय द्वारा चंद्रशेखर कृषक समिति की मासिक बैठक में किसानों को खेती के वैज्ञानिक टिप्स दिए गए।बैठक में निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने किसानों को हरी खाद के महत्व पर जानकारी दी। उन्होंने कहा- किसान 30 से 40 किलोग्राम ढैंचा का बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई करें। साथ ही समय-समय पर सिंचाई करते रहें। उन्होंने किसानों से कहा- ढैंचा की फसल को 35 से 40 दिन पर मिट्टी में मिला दें। इससे मृदा में 84 से 129 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है। हरे पदार्थ की मात्रा 20 से 25 टन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होता है। वैज्ञानिक डॉक्टर यू एन शुक्ला ने कृषकों को धान की नर्सरी का प्रबंधन विषय पर जानकारी दी। डॉ रामजी गुप्ता विभागाध्यक्ष पशुपालन ने किसानों को गर्मियों में पशुओं की देखभाल विषय पर जानकारी दी।कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का धन्यवाद डॉ. वी के कनौजिया ने दिया। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉक्टर विनोद प्रकाश,डॉक्टर भूपेंद्र कुमार सिंह, डॉक्टर विकास रंजन चौधरी सहित प्रगतिशील कृषक समर सिंह भदोरिया, जगदीश सिंह, हरेंद्र त्रिपाठी सहित अन्य किसानों भी शामिल हुए। खाद के महत्व पर जानकारी दी। उन्होंने कहा- किसान 30 से 40 किलोग्राम ढैंचा का बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई करें। साथ ही समय-समय पर सिंचाई करते रहें। उन्होंने किसानों से कहा- ढैंचा की फसल को 35 से 40 दिन पर मिट्टी में मिला दें। इससे मृदा में 84 से 129 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है। हरे पदार्थ की मात्रा 20 से 25 टन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होता है, जिससे किसानों की फसल लागत में कमी आती है। किसानों की ओर से पूछे गए प्रश्नों के जवाब भी दिए गए। डॉ रामजी गुप्ता विभागाध्यक्ष पशुपालन ने किसानों को गर्मियों में पशुओं की देखभाल विषय पर जानकारी दी।कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का धन्यवाद डॉ. वी के कनौजिया ने दिया। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉक्टर विनोद प्रकाश,डॉक्टर भूपेंद्र कुमार सिंह, डॉक्टर विकास रंजन चौधरी सहित प्रगतिशील कृषक समर सिंह भदोरिया, जगदीश सिंह, हरेंद्र त्रिपाठी सहित अन्य किसानों भी शामिल हुए।